

14/09/2017

पत्रावली प्रसूत । ~~वकील~~ प्रतिवादी उपाधित
वादिवाग एवं उनके कथितवता उपाधित
नहीं स्वरूप वादी की उपाधित नहीं है।
वादीवाग एवं उनके कथितवता से ~~साक्षात्~~
क्यापण ~~वदलद~~ जय प्राप्त उपाधित नहीं
होने। एवं साक्ष्य भी उपाधित नहीं है।
सं साक्ष्य वादी वाद की अपनी है तथा
वाद वादीवाग अदम दायरी काम फल
में (वारीज विना) जात है। पत्रावली
बाद वाजीक वकाली ल ~~के~~ ल मुत्ता दाय
नस्कर सं काम है।

